



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-II)/GENERAL STUDIES (Paper-II) (4511)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 55+1 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 55+1 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 009/6209

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : विवेक यादव / Vivek Yadav

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

हिंदी

तारीख
Date

26/7/25

**सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-II)
GENERAL STUDIES (Paper II)**

केंद्र
Centre

करखवाग

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

| | <p style="text-align: center;">महत्वपूर्ण अनुदेश</p> <p>उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p> | <p style="text-align: center;">Important Instructions</p> <p>Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</p> |
|---|---|--|
| 1 | <p>(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p> | <p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p> |
| 2 | <p>अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p> | <p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p> |
| 3 | <p>परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p> | <p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p> |
| 4 | <p>उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p> | <p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p> |
| 5 | <p>उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p> | <p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p> |
| 6 | <p>प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p> | <p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p> |
| 7 | <p>प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p> | <p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p> |
| 8 | <p>यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p> | <p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p> |

| | |
|--|---|
| कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use | कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use |
| परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s) | |

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

| प्रश्न सं. Q. No. | अंक Marks | | प्रश्न सं. Q. No. | अंक Marks | |
|-----------------------------------|--------------|--|----------------------------|--------------|--|
| 1 | | | 11 | | |
| 2 | | | 12 | | |
| 3 | | | 13 | | |
| 4 | | | 14 | | |
| 5 | | | 15 | | |
| 6 | | | 16 | | |
| 7 | | | 17 | | |
| 8 | | | 18 | | |
| 9 | | | 19 | | |
| 10 | | | 20 | | |
| उप-योग (A) Subtotal (A) | | | उप-योग (B) Subtotal (B) | | |
| सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B) | | | | | |



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-II)/GENERAL STUDIES (Paper-II) (4511)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: **250**
Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

कुल बीस प्रश्न दिए गए हैं जो हिंदी और अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्न संख्या 1 से 10 तक का उत्तर 150 शब्दों में तथा प्रश्न संख्या 11 से 20 तक का उत्तर 250 शब्दों में दीजिए।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All questions are compulsory.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

*Answers to **Questions No. 1 to 10** should be in **150 words**, whereas answers to **Questions No. 11 to 20** should be in **250 words**.*

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

1.

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के अल्पसंख्यक दर्जे पर उच्चतम न्यायालय का हालिया निर्णय भारतीय संविधान के अनुच्छेद 30 की व्याख्या को कैसे प्रभावित करता है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

How does the Supreme Court's recent decision on Aligarh Muslim University's minority status affect the interpretation of Article 30 of the Indian Constitution? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हार्जिन में नहीं लिखना चाहिए।
Candidates must not write on this margin

हल में उच्चतम न्यायालय ने 'AMU' का अल्पसंख्यक का दर्जा बरकरार रखा, और भारतीय संविधान के अनु. 29 (अल्पसंख्यकों के संरक्षण) एवं अनु. 30 (शैक्षिक संस्थाओं के नियम) संबंधी पधुनों को भी उजागर किया।

SC के निर्णय के पधु

1. इसे ही स्वतंत्रता पूर्व का विश्वविद्यालय है, एवं उसे संसदीय कानून द्वारा अधिनियमित भी किया है, परंतु इस माध्यम उसका दर्जा ही घटाना जा सकता।
2. उसकी अति की मूल शक्ति व उद्देश्य को ध्यान में रखा जायेगा।
3. अल्पसंख्यकों की सुझा और उनकी संस्कृति की सुझा, भारतीय संवैधानिक नीति का पधु है।

→ इस विषय से अनु. 3 की बार्त AMU में जारी होगी

- ① अपने नियम / विनियम, सर्ती प्रक्रिया संबंधी बनाना।
- ② राज्य का उनावश्यक हस्तक्षेप नहीं होगा।
- ③ आरक्षण के प्रावधानों को लागू करने की बाधना नहीं होगी।
- ④ अनुपसंजक्त विशेष हेतु निश्चित प्रावधान।

→ छांटि फिर भी → राज्य इहे पेशि करते समय भी, इनके पाठ्यक्रम और संचालन पर नजर बनाये रखेगा।

→ मूल छांटि के प्रावधान और संवैधानिक नीतिगत का पालन इन संव्ययों को उला होगा।

→ ये संव्यय विधि की प्रक्रिया में अपट रही होंगे।

SC का विधिय भारत की समन्वित संस्कृति और
व्यक्ततात्मक कार्यवाही के मूल्य हैं जो न केवल
बहुसंख्यकों, बलिक प्रच्छेद छोटे (कमजोर) समुदायों
की भी प्रघयता देती हैं।

2.

उच्चतम न्यायालय ने अपने हालिया निर्णय में राज्य विधान-मंडल के विधेयकों पर राज्यपाल की स्वीकृति के लिए एक समय-सीमा निर्धारित की है। इस निर्णय के भारत में सहकारी संघवाद और विधायी जवाबदेही के लिए क्या निहितार्थ हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

The Supreme Court, in a recent verdict, prescribed a time period for the Governor's assent to state legislative bills. What are the implications of this judgment for cooperative federalism and legislative accountability in India? (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस दृष्टि में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

गाम्बनाडु मामले 2025 में, सुप्रीमकोर्ट द्वारा राज्यविधानमंडल विधेयकों पर, राज्यपाल की स्वीकृति की सीमा निर्धारित की है। ये अनु. 200, अनु. 201 से संबंधित हैं।

निर्णय के प्रमुख पक्ष

1. राज्यपाल के पास, पॉइंट कीटो की शक्ति प्रबल नहीं है। मत: अमेरिका के क्लिंटन संसदीय विधान संमत नहीं।
2. अगर विधेयक राष्ट्रपति के लिए विचारार्थ उठे गए, और पुनर्विचार के लिए वापस भाते हैं, विधायिका अगर पुनः पारित करें, तो राज्यपाल को स्वीकृति देना अनिवार्य है, जहाँ समयसीमा (समाप्त) पर विधेयक के अंतर्गत में (3 महीने) ली है।
3. अगर संविधानिक हॉरिजॉन्टल वाक्य का प्रश्न उठे, तो राज्यपाल / राष्ट्रपति को अनु. 143 के माध्यम से न्यायिक रूप से चुनने के लिये है।

सहकारी संघवाद एवं विद्यार्थी विद्यार्थी

- केंद्र-राज्य में टकराव कम होगा और सहकारिता की स्थिति
- राज्यों के विकास कार्यों में देरी नहीं होगी
↳ कई अन्यायकारी नीतियों में बदलाव आने लगे (वर्तमान में)
- विश्व के शासन एवं लोगों द्वारा चुनी सरकार को
सह्यता (राज्यपाल के दस्तमोच की दुबारा में)
- राज्यों की संघवादी दलों में स्थिति सुदृढ़ (S.R. बोम्मडे
के मुख्य)
- संवैधानिक गतिरोध कम होगा और सुचारु चलावेंगी।
- राष्ट्रीय मुद्दों एवं संघवाद को संरक्षित रखने हेतु
अनु. 142 का विकल्प (संबन्धित) भी जोड़ा गया है,
जहाँ केंद्र/राज्यपाल अपना पक्ष रख सकते हैं

जवाबदेही सुनिश्चय में यह कदम आवश्यक है जल्द ही,
यह न्यायिक विचारण का एक उदा. भी है, जब
सह्यता की स्थिति में एक दल अंतर्गत उपग्रह
जाते हैं

3.

सहकारी क्षेत्रक में केंद्र और राज्यों के बीच के गतिरोध को कम करने के उद्देश्य से किए गए सहकारी संस्थाओं से संबंधित हालिया परिवर्तनों और पहलों पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss the recent changes and initiatives related to cooperatives that aim to smoothen the tussle between the Centre and States in the cooperative sector. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सहकारिता संस्थाएँ, भारतीय लोकतंत्र की नींव हैं,
मौल्य यही कारण हैं कि 99वाँ संशोधन 2011 के
द्वारा - मूल अधिकार 19(1)(c), कृषि निदेशकत्व 43'B'
और त्रिस्तरीय विकेंद्रीकरण 243'ZF' में इन्हें शामिल किया

केंद्र व राज्यों में गतिरोध कम करने में

- सहकारिता राज्यसूची का विषय है, ऐसे में राज्यों द्वारा अपने स्तर पर कानून एवं विधायन।
- बहुराज्य सहकारी संस्थाएँ, केंद्र का विषय हैं।
ऐसे में केंद्र सरकार भी हस्तक्षेप कर सकती है।

- ऐसे में कई बार गतिरोध उत्पन्न हो जाता है
 - ↳ संघर्ष के अंतुल्य
 - ↳ कई राज्यों ने सहकारी समितियों को बंद कर दिया है विधायित नहीं
 - ↳ अधिकांशों की स्थिति नहीं
 - ↳ भारी बर्तनीजवादी समस्या!
 - ↳ गरीब-मजदूर में अंतर
 - ↳ छुटकारा एक कोट के विद्यार्थी अपने ही
 - ↳ ऊपरी स्तर का उपेक्षा नहीं

सरकारी समिति (संकायन मंडल) के प्रश्न

- ① सरकारी समितियों का गठन समितियों
- ↳ बोर्ड में महिला सदस्यों को शामिल
 - ↳ बहु बोट स्व व्यक्ति का सिद्धांत
 - ↳ समय समय पर चुनाव किए जायेंगे।

② वपुराजकीय सरकारी समितियों के प्रकारों हैं
योग्यताएं → केंद्र का निर्देशन।

③ सरकारी समितियों को क्ति की व्यवस्था

- ↳ प्रारंभ में बिना होना।
- ↳ प्रारंभिक स्तर पर व्यवस्था

कुछ चुनौतियाँ

- ↳ राष्ट्रीय स्तर पर उनके अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप बाधा
- ↳ कठिन भारत में सशक्त प्रति (ऐसे में सड़की जो ने केंद्र का अधिकार)
- ↳ कति की असुरक्षित व्यवस्था की कमी
- ↳ वैध, विद्व, पर्यायिक अंगों का विकास - प्रारंभिक स्तर

संयुक्त राष्ट्र ने भारत के सामने पर 2015 को
कार्यवाही वर्ष घोषित किया है। ऐसे में
केंद्र-राज्य समन्वय के माध्यम से इसे
अच्छे ढंग से कार्यान्वयन की जायेंगे।

4.

हाल के वर्षों में, नागरिक समाज द्वारा सोशल मीडिया और डिजिटल लामबंदी का उपयोग दबाव की राजनीति के एक सशक्त माध्यम के रूप में उभरा है। नीति-निर्माण और लोकतांत्रिक जवाबदेही पर इसके प्रभाव का परीक्षण कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

In recent years, use of social media and digital mobilisation by civil society has emerged as a powerful form of pressure politics. Examine its impact on policymaking and democratic accountability. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हاشिग में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

नागरिक समाज, समाज के भीतर रहने वाले समूह स्वयं सहायता समूह, NGO और वॉलंटर्स की दबावपूर्वक श्रेणी होती है, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया का प्रभावित भी करती है

सोशल मीडिया व डिजिटल लामबंदी

- सोशल मीडिया के माध्यम से टिवर कैंपेन
↳ उदा. - किसान आंदोलन के समय #mykshah
- महिलाओं के संबंध में बड़े मामलों की भांग
↳ उदा. → #MeToo और मेरिटल रेप को अपराध घोषित करने की भांग
- वंचित वर्गों की आवाज सामने लाते हैं #लमितावले
- वाइबर सुला और अवयलनेस कैंपेन
↳ PIB की फेसबुक की बर्ज पर [#viber की fact चेक]
- डिजिटल लामबंदी से कई बार किली राजनीति पार्टी को प्रमोट और मनदान व्यवस्था को भी प्रभावित करे

नीतिनिर्माण एवं लोकतांत्रिक जवाबदेही

- असहमति और लोकतंत्र साथ साथ चलते हैं,
विरोध दर्ज कराने का अधिकार सभी को है।
- ↳ इंटरनेट उपयोग करना (भद्राया जस्सीन मामला)
 - ↳ शमशीला बर्फ (सकार की भावोचना का अधिकार)

परंतु कई बार नकारात्मकता भी

1. येलोवेस्ट आंदोलन
↳ बिना नेतृत्व और बिना जवाबदार के विद्रोह।
2. कुछ सिविल सोसाइटी असहमति को विरोध में तब्दील
↳ LAA पर हम फैलाना और एक्सपोज़ पोज़िट
3. PFI जैसे राष्ट्रविरोधी दलों को बंद देना
↳ Urban management की श्रमिका।

सिविल सोसाइटी लोकतंत्र के जमाने पक्षी बने हैं,
कैसे मैं उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे
सकारात्मक योगदान दें, और लोगों को
'जनसहजगी पक्षी हैं' जैसे।

5.

भारत में विकास संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व किस प्रकार एक व्यवसाय-प्रेरित समाधान के रूप में उभर रहा है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

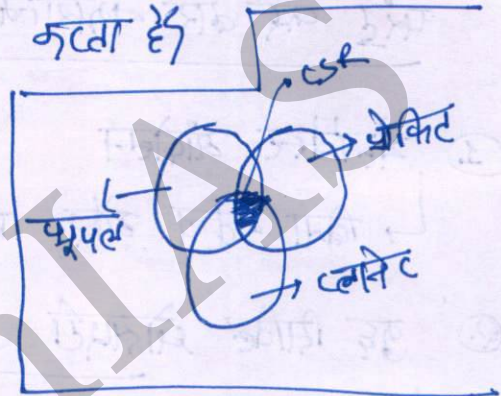
How is Corporate Social Responsibility (CSR) emerging as a business-led solution for addressing development challenges in India? (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

एक कंपनी समाज के बीच रहकर लाभ कमाती है, जैसे में उसके सामाजिक दायित्व के रूप में - CSR की भाँव, जो व्यक्तियों एवं कल्याणकारी शाय को बढ़ाने का काम करता है।

→ विकास संबंधी चुनौतियों से निपटने में योगदान



→ बूटि कंपनी सन् 2013 के द्वारा 135 के अनुपात, अपने चुब सिविल लाइन का 2% रुकी कजा होता है जिसका उपयोग -

① ग्रामीण विकास में →

- स्कूलों का पुनर्निर्माण
- बच्चों में साक्षरता बढ़ेगी।
- ग्रामीण संपन्नता

- प्राथमिक स्वास्थ्य सुलभा
- स्वास्थ्य से उनकी पोषण गुणता बढ़ेगी
- बेहतर कार्यक्षमता।

② महिला सक्षमकरण

- शिक्षा, स्वास्थ्य में अवसरों की कल्पना और प्रकाश दे

④ वृक्षजलो की सही प्रवृत्त

↳ वृक्षजलो की व्यवस्था ↳ पेड़ों (बीमा) की व्यवस्था।

⑤ विकास बनाम पर्यावरण में संतुलन

↳ प्रतिप्ररुत वनीकरण ↳ कृषि-उत्पादन में उपयोगी

↳ पर्यावरण संरक्षण ↳ प्रशासकीय गतिविधि।

⑥ वैज्ञानिक एवं तकनीक में

↳ लया सखा केसर अस्पताल सुनवाना।

↳ अरुनी लखड़े अरु कोविड-19 में अतय वृद्धियों
का लखरी उठाना [इसमें में वृद्धियों को आगे बढ़ाना]

↳ ISRO की गतिविधियों में उपयोग।

व्यवसाय परित समाधान से, न केवल वायरधारकों
को साधने की कोशिश, बलिक द्विधारात प्रजीवकी
माँडल को बढ़ाता है

जो कि गैरस-बफेट माँडल और गोव्ही के जपदिय
के अनुभव है।

6.

चर्चा कीजिए कि भारत में जन परामर्श और जन सुनवाई जैसे तंत्र गवर्नेंस के परिणामों को कैसे प्रभावित करते हैं। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss how mechanisms like public consultations and Jan Sunwais in India impact governance outcomes. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

शासन की मूल कीर्तनपना लोगो में निहित होती है,
यस समावेशी एवं वितरणमूलक समाज के लिए
जनपरामर्श एवं जनसुनवाई अनिवार्य हैं

गवर्नेंस के परिणामों को प्रभावित

① शासन एवं जनता के बीच इसी कम कटते हैं

↳ शासन आपके दर पर खे।

② ई गवर्नेंस को कक्षा देते हैं

↳ मूल्याचार में कमी और सीधा संपर्क।

↳ CPGRAM पॉलि और RTI इकी के उक्ते हैं

③ शासन को कुशासन में तब्दील

↳ क्वैरफा संचार सुमिश्चित होता है

जनसुनवाई के द्वारा, समाज के भीम विद्द
का तक पदचने की मेरिषा

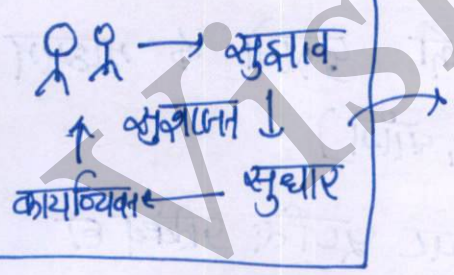
संगेय की भावना के अनुष्य

→ जनपरामर्श के कानूनों का सही विधान

- ↳ उक्त → हितधारकों से परामर्श लेना
 - ↳ जनता की राय जनते की केशिषा कला
 - ↳ न्यायिक तंत्र की राय लेना
 - ↳ विशेषज्ञों को विश्वास में लेना [डिमिटेड प्रोटेक्शन एक्ट 1923 में]

→ गवर्नर्स का अंतिम परिणाम

- ↳ जनता को सुविधाओं की सही व ~~कल~~ तविल उपयोगी होता है
- ↳ जनसुनवाई में लोगों को इकी का विश्वास दिलाया जाता है [उक्त → लोकसभाओं को जुद्ध तंत्रों का निर्माण]



सुझावों को मॉडल की अनुकूलता के अभाव में, जनसुनवाई और जनपरामर्श के ई विधि प्रमत्त हैं

इसीलिए कई राज्यों ने 'लोकसेवा पार्टी काय' सरा इन्हे वैधानिक रूप भी दिया है

7.

भारत में मादक द्रव्यों के दुरुपयोग की समस्या से निपटने में राष्ट्रीय मादक द्रव्य मांग न्यूनीकरण कार्य योजना और नशा मुक्त भारत अभियान कितने प्रभावी रहे हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
How effective have the National Action Plan for Drug Demand Reduction (NAPDDR) and Nasha Mukta Bharat Abhiyaan been in addressing substance abuse in India? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

मादक द्रव्यों पर AIMS रिपोर्ट 2020 के अनुसार भारत में 8-9% युवा मादक द्रव्यों के आतार सेवन में हैं, जो उच्च मानसिक स्थिरता की ओर ले जा रही हैं

राष्ट्रीय मादक द्रव्य मांग न्यूनीकरण कार्य योजना

- मादक द्रव्यों के दुरुपयोग पर नियंत्रण
- 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों पर पूर्ण प्रतिबंध
- केवल स्थायी ठेका शर्तों की पूर्णता के माध्यम से उपयोग। बिस्कि [एनकोस्ट, मांग]
→ वही मांग, मफीम, फ्रास पर पूर्ण प्रतिबंध है
- उपयोग किए जाने पर NPDS एन 1985 के तहत कठोर कार्यवली, कैंट NCB जैसी संस्था कायदा 2008
- केंद्रीय सीमाओं एवं अंतर्राष्ट्रीय तस्करी को नियंत्रित करने का प्रयास

अधिर प्रभावी नदी इर म्योडि

- ① नोगो में परिणामों के ^{प्रति} गम्भीर जागृकता रही
- ② उपभोक्ताओं का तबला ककचल ।
- ③ पल्लव, पारी, गौर फैशन के गैर पर
नशे का सेवण का पल्लव
- ④ ठडे कानून पंतु क्रियान्वयन नहीं

अंग की राह

- माफक मूय न्यूनीकण योजना के
NGO, सिक्कि अकार्ती से जागृकता
- CBI के आपरेशन समुद्रगुप्त की तर्ज पर
राज्दीय अग्रण
- माफक प्रयो की अग्रण. सिक्की विमिपति कण
- NPS एर 1985, के मगुल्य रण्यो की
की व्यापिय । राफ्दीय कानूने को बला-ए

8.

भारत की बुनियादी शिक्षा प्रणाली में रटकर सीखने की प्रवृत्ति और रचनात्मकता की उपेक्षा, इसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा संचालित हो रहे बाजारों के लिए पर्याप्त रूप से तैयार नहीं करती हैं। क्या आप इस मत से सहमत हैं? अपने तर्क से उत्तर की पुष्टि कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Rote learning and neglect of creativity in foundational education setup in India make it less ready for marketplaces that are now driven by Artificial Intelligence. Do you agree with this view? Substantiate your argument. (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारत की बुनियादी शिक्षा की कमी और
प्रणाली

रटकर सीखने की प्रवृत्ति, बढ़ती रचनात्मकता
एवं AI के दौर में नहीं बढ़ती।

AI संचालित बाजार से बचाने

- मशीनीकरण को रोकने से बचाने।
- गैर-युक्त युवा श्रम की आवश्यकता।
- तकनीकी में लगातार बचाने के लिए अपडेट करने की जरूरत।
- साक्षर कुशल, मशीन भाषा, डिजिटल, AI के युग में शिक्षा प्रणाली में बचाने जरूरी है।

बसे में क्या प्रयास किए जायें

① तकनीकी माध्यात्म शिक्षा

↳ ब्रह्म समाप्ती लक्ष्य

② NEP 2020 (मूल्य माध्यात्म शिक्षा

+
व्यवसायिक शिक्षा)

↳ ताकि AI के युग में भी नजरि बनी रहे

③ STEM क्षेत्रों में महिलाओं को बढ़ाना

④ गैरवात शिक्षण → 100 गैरवात शिक्षण 4.0

↳ कार्य → संकल्प व दूसरा जैसी परत

↳ गैरवात को इंटरनेशनल व इंटरनेशनल
की जेडा जरा

अतः वैश्विक बहने शक्ति न AI अनुज्य भांडन
जली व जया है

9.

G7 के पश्चिमी रणनीतिक एकता के प्रतीक से आंतरिक विरोधाभासों से भरे मंच के रूप में रूपांतरण का विश्लेषण कीजिए। भारत द्वारा अपने रणनीतिक हितों की पूर्ति हेतु इस बदलते परिदृश्य को किस प्रकार उपयोग किया जाना चाहिए? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Analyze the transformation of the G7 from a symbol of Western strategic unity to a forum marked by internal contradictions. How should India navigate this changing dynamic to advance its strategic interests? (Answer in 150 words)

10

G7 के विकसित देशों का प्रतिनिधित्व करते हैं
पश्चिमी रणनीतिक एकता के जन्म अपने
मांतिक विरोधाभास भी →

- ① अमेरिका का विद्युत सिंक्रम
↳ क्षमताओं से बाधित स्थिति।
- ② बिदेन का EU के ब्रेजिट के जन्म में अलग जन्म
- ③ कनाडा एवं इटली जैसे देशों में भी
संघर्ष नहीं
- ④ इन देशों की आपसी प्रतिद्वंद्विता

भारत इसका उपयोग कैसे

- ① भारत अपनी रणनीति का लक्ष्य
↳ कर्पोरि चीन साझा-उपरोधी

① PGII कोर बिजनेस वीथ कैंट वलर
के अनुस्य

→ IMLC जैसी पब्लिकनाथे से
बना लकना है

② माला रूनी सिखा, कोर सेरिगुठव्याओ
के बिजनेस एरि के गोग

③ माला हाँफर पावल, नदीकषीय कपडि
के कोगे का यकना

④ इन बाजारो के मालीय सिपनि से
पुडुय इपडुय माला

10.

विकासशील देशों के विकास में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की भूमिका पर चर्चा कीजिए। इसके दृष्टिकोण से जुड़ी प्रमुख आलोचनाएं क्या हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss the role of the International Monetary Fund (IMF) in the development of developing countries. What are the key criticisms associated with its approach? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

IMF, वैश्विक मुद्रा कोष है जो विकासशील देशों

को आर्थिक स्थिरता प्रदान करने

के लिए काम करता है।

IMF → विकासशील देशों को वैश्विक मुद्रा कोष

मुद्रा कोष का उपासक बनाने का प्रयास करता है।

1. वैश्विक स्थिरता में मदद

2. आर्थिक संकट में क्रेडिट प्रदान करने में मदद
(क्रेडिट एवं माला द्वारा)

परंतु इसकी आलोचना

① यह शर्त आरोपित करते हैं

② इसके बदले विकास में अंतर्राष्ट्रीय सहायता

② IMF का चोट फ्रीडेव

की मांग

विकास योजनाओं का कारगर

① IMF को पाश्चिमी समूह के

क्षेत्र में इतिहासिक दृष्टिकोण

विनाशकारी देशों में अनदेखी

⑤ इनकी दक्षिण (क्षेत्र) में ही बहुत अधिक

कम मात्रा में कर्ज पाते हैं देश

अ

11.

103वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2019 ने भारत में सकारात्मक कार्रवाई के सिद्धांत को एक नया आयाम दिया है। सामाजिक न्याय के व्यापक लक्ष्य के लिए इसके निहितार्थों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

The 103rd Constitutional Amendment Act, 2019 has introduced a new dimension to the principle of affirmative action in India. Critically examine its implications for the broader goal of social justice. (Answer in 250 words)

उम्मीदवारों को इस हार्जिए में नही लिखना चाडिए
Candidates must not write on this margin

15

भारतीय संविधान जीकां हस्ताकेष माना जाता है, जो बदलते समय एवं परिस्थिति के अनुरूप परिवर्तन जाता है, और सकारात्मक कार्यवाही (प्रबलित-भारत) उनमें से एक है।

→ 103 वें संशोधन अधिनियम के द्वारा, गरीब वर्गों (आर्थिक रूप से पिछड़े सामान्य वर्ग) में 10% आरक्षण की (राज्य एवं शैक्षिक संस्थानों में)

→ इसके द्वारा कमजोर वर्गों को समानता के साथ साथ समता मिश्रित्व का भी प्रयास, जो कि संविधानका मूल होगा (सुप्रीम कोर्ट ने भी वैध करार दिया)

→ नया आयाम क्यों?

→ पिछड़ापन की संकल्पना बतौर परीक्षित तक सीमित थी

→ बदलते प्रतिष्ठ में विधि का शासन और

विधि के द्वारा समानता व सकारात्मक कार्यवाही का प्रदान

→ वैदिक कर्मा के कल्याण करने का दायित्व राज्य का ही है (कल्याणकारी राज्य की श्रमधारा)

→ यह विविधता में शक्ति एवं शासन के सम्मग विकास और गांधी के स्वर्णिम की योजना के अनुपम है

- यह संशोधन कुछ प्रतिबंधों का भी प्रावधान
 - ↳ ① 8 लाख से अधिक आय (सरकारी/गैरसरकारी)
 - ↳ ② सामीप क्षेत्र में श्रम की विविध सीमा
 - ↳ ③ शहरी क्षेत्रों में लॉन्ड्रिंग की मकान की लीज

इन तत्वों के द्वारा यह भी प्रयास किया गया कि अनुचित / गैरलाभकारी इसका लाभ न खा सकें।

परंतु सामाजिक न्याय के लक्ष्यों में इसके कई अभावों भी उभरे हैं

- ① अविधान ने दलितों, जनजातियों यहाँ तक कि OBC/मिड्डे सेटु अकसतक कार्यवाही की संकल्पना की. [अ. 342] अ. 338B
- परंतु आय अध्यापन नहीं ।

2. आय असमानता और गरीबी को, शासन की नीतियों, कामनिव्ययन प्रणाली में सुधार एवं OBC के माध्यम से दूर किया जा सकता है

3. यह SC/ST/OBC समुदायों की राजनीतिक मांगों एवं द्वाव समूहों की 'सामाजिक - राजनीतिक मांगों' को दबा सकता है

4. आय असमानता, कल्याणकारी राज्य द्वारा, अपनी विधायी शक्तियों से दूर करना चाहिए; सरकारत्मक कर्षवही का मनुष्य उपयोग (प्रोमोटो इफेक्ट) और अन्य तथ्यों को भी प्रेरित करेगा।

आगे की राह → यह संशोधन वैध है, न्यायलय से भी इसे स्वी माना, दंडाधिक फर्जी प्रमाणपत्र, लेटसीलिंग संबंधी सुलटाचार दूर हो

→ संविधान की गतिशीलता एवं विधि के समता समता को सुनिश्चित करने के लिए, समय-समय पर उपनिर्वाण, एवं इसका पुनरीक्षण की ही ही धार चाहिए

12.

जिला योजना समिति की परिकल्पना जमीनी स्तर पर नियोजन को सशक्त बनाने के एक प्रमुख साधन के रूप में की गई थी। यह इस लक्ष्य को प्राप्त करने में कितनी सफल रही है? जिला योजना समितियों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों पर चर्चा कीजिए तथा उन्हें अधिक प्रभावी बनाने के उपाय सुझाए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

The District Planning Committee (DPC) was envisioned as a key instrument to strengthen grassroots-level planning. How far has it succeeded in achieving this goal? Discuss the challenges faced by DPCs and suggest measures to make them more effective. (Answer in 250 words) 15

भारतीय संविधान के त्रिस्तरीय विकेंद्रीकृत ढांचे में अनु. 243 TD के तहत, जिला योजना समिति की परिकल्पना की गई, जिसके द्वारा संविधान एवं लोकतंत्र को ग्रामस्तर पर पहुंचाने का प्रयास किया

नियोजन की सहायिका का साधन

- ① इसमें जिला की सभी योजनाओं का मन्यार्कन, अका पुस्तिका एवं प्रगत विश्लेषण पर ध्यान दिया जाता
- ② संसाधनों का उचित आवंटन, 11 वीं एवं 12 वीं अनुसूची के लक्ष्यों एवं विषयों, एवं राज्य-केंद्र सरकार नीतियों का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाता है।
- ③ इसमें जिले के विधायक, डॉक्टर, गणमान्य जनप्रतिनिधि भी शामिल होते हैं।
- ④ इसके अलावा राज्य शासन कृषि, स्वास्थ्य, कृषि अन्य प्राथमिकी से दिए गए धोरे

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अन्य सभी नियोजित श्रमिकों को निम्न के बाद भी इनमें कमियाँ देखी गई हैं

- ① संसाधनों का अपव्यय (परियोजनाओं का लोएस)
- ② राजनीतिज्ञ - नैकशाह करार की वजहों।
- ③ पुनः दूर जनप्रतिनिधियों की भेदखो।
- ④ जिले में व्यय की सुसंगतता में कमी और कई बार भ्रष्टाचारी एवं वोटबो की खबरें में जारी हैं

जिला योजना समितियों की चुर्नौतियाँ

- ① विभिन्न राजनीतिक दलों के सदस्यों में करार।
- ② सामाजिक समूहों, बि-कॉर समूहों, NPO, सिविल सोसाइटी को शामिल नहीं।
- ③ तकनीकी परिकल्पना/विकास नहीं
 - परिणाम आधारित लक्ष्य नहीं
 - प्रारंभिक योजनाएँ एवं अवसेव्यगमन जबरता
- ④ महिला नेतृत्व की प्रतीकमकला (स्वतंत्र क्षमता नहीं)

अच्छे प्रभावी बनाने के उपाय

① ई गवर्नेंस

→ जिला योजना समितियों की → पंचायतो सं सीधी
→ नगरपालिकाओं कमेटीय तरी
 → सोशल ऑडिट

(परियोजनाओं का NMO, सिविल सोसाइटी व ऑडिट)

② डाटा गवर्नेंस पर आधारित

→ आक्रमक वेड लक्ष्य → समावेशी विकास

→ धारणीय लक्ष्य → वन सड़प किट फॉर ग्रह

की नीति ई बनाय

अवश्यकता आधारित एवंच

③ महिलाओं एवं वृद्धि

स्तिमताओं को श्री

जनशक्तिवरी (नीति निर्माण एवं कार्यक्रम में)

स्थानीय मुख्य ब्रह्मपाल का गहन किया जाए,

एवं जिला योजना समिति संबंधी कमेटी -

के उपायों को श्री लक्ष्य किया जाये मणिशंकर अग्रवाल (2012)

13.

संविधान के अनुच्छेद 293 के तहत राज्यों की उधार लेने की शक्तियों पर लगाए गए प्रतिबंध, यद्यपि संवैधानिक रूप से वैध हैं, लेकिन ये राज्यों की राजकोषीय स्वायत्तता को बाधित कर सकते हैं और सहकारी संघवाद को क्षति पहुंचा सकते हैं। हालिया घटनाक्रमों के आलोक में विवेचना कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

The restrictions imposed under Article 293 of the Constitution on State borrowing powers, though constitutionally valid, may hinder fiscal autonomy of States and disrupt cooperative federalism. Discuss in the light of recent developments. (Answer in 250 words)

15

भारतीय संविधान के वित्तीय प्रावधान राज्य स्व केंद्र लेनो को उधार लेने संबंधी शक्तियाँ प्रदान करते हैं, परंतु राज्यों की शक्ति पर युक्तियुक्त प्रतिबंध भी लगाए गये हैं।

प्रमुख प्रतिबंध - अनु 293

① केंद्र सरकार भारत में, अथवा विदेशों को धन/क्ति की प्राप्ति करण के रूप में कर सकती।

② राज्य सरकार भारतीय सीमा के भीतर ही करण ले सकते हैं।

→ इसी बात से कि अगर राज्य का ^{स्व} कर्जा है, तो वे केवल केंद्र की अनुमति से ही करण ले सकते हैं।

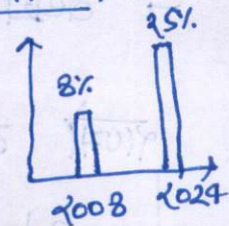
→ तीसरा यह भी, कि राज्य अपनी GDP के ^{कु} निश्चित प्रतिशत ही करण ले सकते हैं,

(क्योंकि केंद्र सरकार well-earned के तहत पर धरती है)

राजकीय स्वयत्ता को बाधित

1. राज्यों के विकासत्मक व्यय प्रभावित

↳ जबकि उन्हें कल्याणकारी कार्यों (योजनाओं) के लिए पैसे की जरूरत।



2. राज्यों का प्रजिगत व्यय प्रभावित

↳ राज्यों की प्रजिगत एवं औद्योगिक विनिर्माण क्षमता बढ़ने की जरूरत होती है।

↳ परंतु बिहार जैसे राज्य, महाराष्ट्र की तुलना में 8 गुना पीछे हैं। ऊपर से ऋण की कम प्राप्ति

उन पर दोहरा बोझ कर देती।

3. दारिद्र्य धरनाक्रमों में देखा गया कि

↳ विपक्षी राज्य यथा पंजाब, बंगाल, तमिलनाडु में राज्यों को ऋण लेने में प्रसिद्ध और परेशानियों

का भी सामना करना पड़ा, कुछ राज्यों ने SC में सुधार भी की।

4. सार्वकारी शैचवाह के विपरीत

↳ कल्याण के बजाय प्रतिस्पर्धा
के लिए राज्यों के बीच
विभिन्न राज्यों के बीच

इन्हे सुधार करने के लिए क्या प्रयास हों?

① राज्यों को अपने राजकोषीय प्रबंधन का ध्यान रखना
↳ debt जो GDP रेशियो कम रखना।

② राज्यों द्वारा प्रोत्साहित व्यवस्थापित जाए

↳ निवेश अनुकूल वातावरण (कंपनियों को आकर्षित)

③ केंद्र द्वारा साध्योपाय एवं समन्वय

↳ विशेषतः → अनु-२७५ (अनुदान) एवं अनु-२८२
(वित्तोपस्थानव्यय)

④ रचना करने के संबंध में वित्त आयोग से परामर्श

⑤ क्षेत्रीय विकास का ध्यान रखा जाए

↳ सरकारी संघर्ष के अनुकूल।

राज्यों को संघित निधि को संबंधित करने संबंधी

W.K. सिंह सिफारिशों, एवं केंद्र-राज्य समन्वय

ड्रैफ्ट प्रजी बाथेग सिफारिशों लागू होगी

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत चुनाव लड़ने के अधिकार और चुनावी नैतिकता बनाए रखने की आवश्यकता के बीच के तनाव का परीक्षण कीजिए। क्या दोषसिद्ध अपराधियों पर आजीवन प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Examine the tension between the right to contest elections and the need to uphold electoral ethics under the Representation of the People Act. Should there be a lifetime ban on convicted criminals? (Answer in 250 words)

जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951, चुनाव लड़ने संबंधी प्रावधानों
का विचारण कला है, क्योंकि भारतीय संविधान के
अनु. 324 में 'स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव' का प्रावित्त
निश्चिन आयोग पर है।

चुनाव लड़ने के अधिकार एवं चुनावी नैतिकता के बीच
तनाव

① दार्जी अफ़ाथियो द्वारा संसद एवं विधायिकाओं में पहुँचाना
↳ PRS लेनोक्लेटिव रिपोर्ट (18 वीं लोकसभा में → 43% दार्जी
संसद)

② चुनाव में धन-बल और भ्रष्टाचार का बढ़ता बोलवता
↳ करोड़ों की फंडिंग, अर्धधन धन का उपयोग
↳ वेब सर्वीस के धरनाक्रम, जबकि धारा 58A के तहत
अर्धधन है।

③ खेल से चुनाव लड़ने की परंपरा
↳ हाल में अक्षयपाल सिंह (पंजाब), खेल से निवृत्त, विजय

SC का रुख → अनुप मेखवंद्र मामला में बताया कि, जेल में बंद अपराधी। अभियुक्त चुनाव लड़ सकते हैं बशर्ते (2 वर्ष से अधिक सजा नहीं हो)

→ कारण → जनता को अपने प्रतिनिधि चुनने का अधिकार लोकतंत्र में चयन की स्वतंत्रता कड़ी बंधन से अपराधों की वजह से भी जेल।
शान्ति

चुनवी नैतिकता प्रभावित

→ राजनीति में अपराधीकरण → नीति भंग, कार्यच्यवन में भी भारी भतीजावाद।

→ स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव नहीं रह जाता
↳ दूध डीचे के विपरीत।

→ एक तरफ जेल में कैदी को वोट देने का अधिकार नहीं, दूसरी तरह कैदी चुनाव लड़ सकते।
↳ विरोधाभास की छति।

→ महिलाओं, दलितों, वंचित वर्गों का भी प्रवेश, कड़ी कानून से (अपराधिक तत्वों) नहीं हो पाता।
↳ वास्तविक जनश्रमिक नहीं।

दोषसिद्ध अपराधियों के संबंध में

→ पञ्चप्रतिमिथित की धारा 8, जो कि अभियुक्तों को अपील करने की छूट देती थी, और तकनीक गिरफ्तारी पर रोक लगाती थी।

→ SC ने बिनि चॉमस वाद में, यह मह्यता रद्द की और न्यायिक विधायन के रूप में कानून दिया कि अगर दो वर्ष से अधिक की सजा युक्त अपराधों का सदस्यता रद्द होगी। और 6 वर्ष तक पुनरावृत्ति

आजीवन प्रतिबंध

① अगर गंभीर अपराध (हत्या, बलात्कार में दोषी), तो आजीवन प्रतिबंध होना चाहिए, क्योंकि अतन्त संवैधानिक नैतिकता की विधि के शासन को ही मारती है।

→ घोर अपराधी को सैलफ के मंदिर में अनुवर्ति न दें (रेस्ट ऑफ लेट मामला)

② अगर अन्य किन्ही कारणों में दोषसिद्ध हो तब विशेष न्यायालय (आधिकरणों के माध्यम से तस्ति एवं निष्पत्त सुनवाई हो।

→ दोषसिद्ध होने पर 6 वर्ष की अवैधता, एवं आगे उसे इजाजत दी जा सकती है।

(क्योंकि न्याय + सुधारामुक्त होगा है, न कि प्रतिमापमक)

2015 में शुरू की गई बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना घटते बाल लिंगानुपात को सुधारने और बालिकाओं को सशक्त बनाने में किस हद तक सफल रही है? जमीनी स्तर पर इसकी प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए उपाय सुझाइए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

To what extent has the Beti Bachao Beti Padhao (BBBP) scheme, launched in 2015, succeeded in addressing the declining child sex ratio and empowering the girl child? Suggest measures to enhance its impact at the grassroots level. (Answer in 250 words)

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की शुरुआत 22 जनवरी 2015 को हरियाणा से की गई, जिसका उद्देश्य लिंगानुपात को बढ़ाने संबंधी जागरूकता बढ़ाई जा रही है।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

- ① बाल लिंगानुपात में सुधार हुआ है, जैसे (NFHS-5) (2019) में राष्ट्रीय स्तर पर इसका सकारात्मक स्वीकार आया।
- ② बालिका साक्षरता में भी वृद्धि हुई, ASER रिपोर्ट → 89% तक बालिका स्कोरमेंट (केवल 1% ग्राम छोड़कर) → माध्यमिक शिक्षा में भी द्रापडाउट में कमी

| | |
|------|-----|
| 2011 | 24% |
| 2022 | 14% |
- ③ बेटियों की उच्च शिक्षा में नामांकन बढ़ रहा है → HER (उच्च शिक्षा स्कोरमेंट) → 28% बच्चियों की संख्या
- ④ आज ऐसे क्षेत्र में STEM में सर्वाधिक व्यक्तियां भारत में ही (महिला)

5) जूरी की अपशाखा के रूप में - मुख्य समृद्धि योजना।

↳ बचिकाओं के खाते खोले गए।

↳ उन्हें DBT के माध्यम से सीधे फंड ट्रांसफर।

6) बचिकाओं को सुविधाएँ देना फंड

↳ साक्षिक की सुविधा विद्यालय जाने।

↳ इंटरनेट में ऑन रोल मॉडलिंग एवं चर्चित सुपरस्टार्स द्वारा अनुभवों के प्रोत्साहन।

परंतु इसकी सफलता में आवश्यकता सुधार नहीं हुआ।

1) आज भी फीमेल डेवेलोपर्स (मूल योजनाओं के माध्यम)

2) PCNDT 1994 स्वर होने के बाद भी प्रसवपूर्व छिगं परीक्षण।

3) विवाहों में महिला टैबलेट, जवपान की बलगा सुविधाओं की कमी (जात्रीण, जनजातीय स्वास्थ्य)

4) फंड का दुरुपयोग

↳ CAG की निष्पत्ति एवं अखिद्य सेवा से जानकारी की चर्चाओं व इंटरनेट में पर 76% तक राशि व्यय।

5) मानसिकता परिवर्तन के अण भी पीछे

↳ उदा: स्व में राक्षस चरित्र की उल्लेख सिा छला हया
(टैबल
कथ)

जमीन पर प्रभावशीलता कैसे लाई जाए

→ प्रभावशील न्यायिक निर्णयों एवं जलिन कानूनी राजनीति
विधानों के साथ-2 लक्ष्य प्राप्ति में →

जनभागीदारी एवं बहुभागीतामूलक प्रतिक्रिया की
प्रवृत्त होती है।

- ① स्थानीय पंचायतों एवं निकायों द्वारा अवधारणस कार्यक्रम।
- ② महिलाओं को आर्थिक प्रशिक्षण
↳ स्थोकि भात्मश्रिता स्वतंत्रता एवं निर्णय की श्रुती है।
- ③ कानूनों में कार्यत्मक सुविधा अवयगी, जलिन न्याय,
एवं बेहतर प्रेरकभाव तीत्र, शिकायत निवारण ही।
- ④ सभी को अनुभव- सामाजिक प्रभाव से जोडना
↳ एड फिल्म, शोर्ट मूवी एवं सोशल मीडिया ठुकेन।

ये प्रयास बेरी क्वागो बेरी पढागो की चरतलीय
श्वयायित्वा सुसिचित करेंगे।

स्वयं-सहायता समूह ग्रामीण भारत में सामाजिक-आर्थिक कायाकल्प के चालक के रूप में उभर रहे हैं। उनकी पहुंच और प्रभावशीलता को बढ़ाने में सरकार की भूमिका का परीक्षण कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
Self-Help Groups (SHGs) are emerging as vehicles of socio-economic transformation in rural India. Examine the role of government in scaling their reach and effectiveness. (Answer in 250 words)

स्वयं सहायता समूह आत्मनिर्भर के अधिकार युक्त कुद लोगो का समूह, जो आर्थिक एवं सामाजिक उद्देश्यों के लिए एक साथ मिलकर कार्य करते हैं

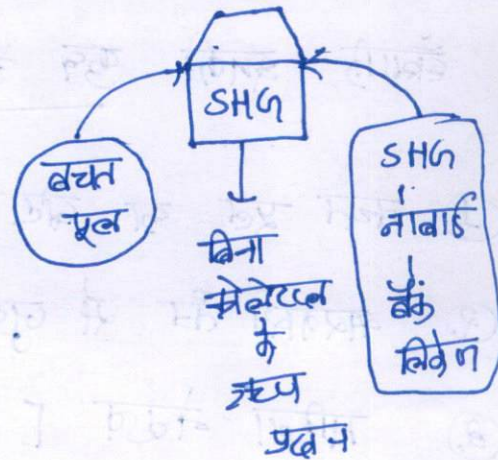
सामाजिक-आर्थिक कायाकल्प के चालक

1. महिला सशक्तिकरण

- 85% समूह महिला नेतृत्व में काम करते हैं
- लैंगिक समानता एवं समावेशिता के लिए प्रयास।
- राजनीतिक उन्नति (कियायती राज में भी नेतृत्व)

2. आर्थिक सशक्तिकरण

- नाबार्ड-बैंक लिंक प्रोग्राम
- संकट के समय आपसी मदद
- JEWEL और कुटुंब श्री (अधमकालिक) (कूल)
- इसके प्रमुख उदाहरण हैं



सामाजिक स्थापितकरण में

- दलितों, वंचितों, कोषितों के मुद्दों को उठाने हैं
- शिक्षा एवं स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में भी कार्य।
- वृद्धों की धरतिमा (जब संतानें हेतु कार्य)
- दृष्टि (आंखों की रोगी हेतु) और नादानपणों
जैसे प्रयोग काय करवाए जायें (महिला शिक्षा)

आर्थिक स्थापितकरण के नए माँझ

- द्वितीयक सरकार द्वारा PDS का संवर्धन → इसी के अर्थ
- बैंक संरक्षित के रूप में (कृषि अभाव)
- नमो सीढ़ी एवं प्रेनदीदी के माध्यम से →
'लगावती सीढ़ी' एवं पृथी सुधारा की व्यापकता।

द्वितीयक इनकी पुत्र सुनौतियाँ भी बनी हुई हैं।

- ① बचत श्रम का क्षेत्र काकार
- ② सरकारी तंत्र से जुड़ा नहीं [प्रवासात्मिक अन्वेषण]
- ③ महिला नेतृत्व [राष्ट्रीय स्तरों के सीमित]
→ पिछड़ी, जलपानीय महिलाओं की आड़ोली

- ④ यह स्वाव समूह के रूप में नहीं उभर पाया
- ⑤ शिक्षा एवं तकनीकी जागृकता में कमी
- ⑥ बढते सहकारिता समूह के कारण

सरकार द्वारा प्रयास

- ① नाबार्ड द्वारा कूक्ष कित प्रदान करना।
- ② सरकारी बैंक और RRB से बिना कोलेटरल रूप प्रदान।
- ③ स्वयं सहायता समूहों का पैकीकरण
↳ सामुदायिक सहयोग के रूप में इनका उपयोग
उदा. → कोविड 19 के समय जय माँ ठोके SHG न मास्क निर्माण।
उदा. → अमृत सहायता में फरहत SHG (राज्यपाल) संघों का निर्माण।
- ④ इससे गुरुवियाशीलता अंतकारी योजनाओं के तहत, वही इन योजनाओं की वित्तीय मदद पुनिश्चित होती है

स्वयं सहायता समूह लोगों को समझाए ताव पहुचते हैं, एवं पत्रकारिता पुनिश्चयन में सहायक होते हैं

17.

आर्थिक संवृद्धि के बावजूद, भारत में बहुआयामी निर्धनता बनी हुई है। इसके अंतर्निहित कारणों का विश्लेषण कीजिए और उन्हें दूर करने के लिए सरकार द्वारा किए गए उपायों पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Despite economic growth, multidimensional poverty continues to persist in India. Analyse the underlying causes and discuss the measures taken by the government to address them. (Answer in 250 words)

15

भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था (6% ग्रोस डीपी), अच्छी विकसित अर्थव्यवस्थाएँ मंद की गई हैं परंतु बहुआयामी निर्धनता का संकट अभी भी मंड्य चाहते हैं

अंतर्निहित कारण

→ बहुआयामी गरीबी सूचकांक के अनुसार भारत में 11.28% गरीबी है, इसके मानकों में

[शिक्षा] [स्वास्थ्य] [बीकानेर - पंजाब, छत्ता, बिजली]
 ↓ सूची शिक्षा के क्षेत्र ↓ मृत्युदर जीवन प्रत्याशा (जैसे मानक)

संवृद्धि के बावजूद भी क्यों?

① संवृद्धि को GDP में वृद्धि के स्वरूप में मानते हैं, यह विकास का पर्याय नहीं हो सकता है

② विकास मॉडल असमानता

↓ भारत की ^{पहली} 5% आबादी के पास 60% संपत्ति थी
 अंतिम 5% आबादी के पास केवल 3% संपत्ति।

उम्मीदवारों को इस दृष्टि में नहीं लिखना चाहिए
 Candidates must not write on this margin

③ गरीबी का मापन - बेरी, कपडा, मकान से मागे बढ़कर - शिक्षा, स्वास्थ्य की परिधि, और

अवसरो की समानता से भी जुडा है

→ उदा. → OECD की रिपोर्ट, भारत में पुरुषो की तुलना में

महिलाओ की 34% कम बेरी। → बेरी से ही अंतर्राप

→ उदा. → ग्रामीण एवं शहरी, अलमामता भी देखने मिलती है

④ निधनता के समरो में बढाव से, संवृद्धि का मूल्य ही है

→ वैश्विक श्रममयी सूचकांक भारत (100वीं रैंक)

→ समग्र जब प्रबंधन सूचकांक सूचकांक पैरामेट्रिक्स में [120वीं रैंक]

'अमृत्य सेन का वचन'

→ भारत की ध्यति रख पान को डुबिफोरमिया मॉडल एवं

दूसरे पान को अरु-मध्य अफ्रीका के ज्य में प्रकट करती है

सरकार द्वारा उपाय

① समावेशी विकास (SDG-2 के अंतर्गत)

→ महिलाओ, बच्चो, वृद्धो, अजातियो सूची को

'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास'

② गरीबी ध्यसे हेतु

→ तकलिन DDC सीधे लक्ष्यता

→ शासन की पद्धत (PM गरीब कल्याण अमृत)

PM कल्याण योजना

② कमजोर वर्गों का अर्थान

- सस्ती सुधार एवं लैंगिक समता।
- एकात्मता एवं लैंगिक समता।
- SC/ST हेतु छात्रावास सुविधा।
- जनजातों हेतु - PM जमान, PM पुरव विधा।

③ विकास द्वारा गरीबी से बर्तों को लोडना

- ADP (आकांक्षी गिना कर्षण)
 - क-वर्षीय
 - कोमोरेन्स
- गैर-विकास शब्द सुपरनाल, कॅपीटल पर भ्रष्टाचार
 - PM स्वसिद्धि को गरीब समाय
 - PM मुद्रा लोन, स्टैंड-अप शिड्यु क्रोडि

विकास बहुआयामी से और संवृद्धि से जुड़ा हो, गैर-अंतिम डोट के अद्यतन को भी परिधि में स्थापित करें, तभी करगा घना।

भारत खाद्य अधिशेष और पोषण की कमी संबंधी विरोधाभास का सामना कर रहा है। इस विरोधाभास के पीछे निहित संरचनात्मक कारणों का विश्लेषण कीजिए और सुधार हेतु रणनीतियों का सुझाव दीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

India faces a paradox of food surplus and nutritional deficit. Analyse the structural reasons behind this paradox and suggest reform strategies. (Answer in 250 words) 15

भारत खाद्यान्न आयात को खाद्यान्न निर्यात की यात्रा करते हुए भासा है, (वर्तमान में 315 मिलियन मीट्रिक टन उत्पादन) परंतु पोषण के क्षेत्र में क्रमबद्ध स्थिति बदतर है, मात्र वार्षिक भूखमरी सूचकांक में (107वीं छुं) है

यह विरोधाभास क्यों ?

इसके पीछे कारणों का विश्लेषण

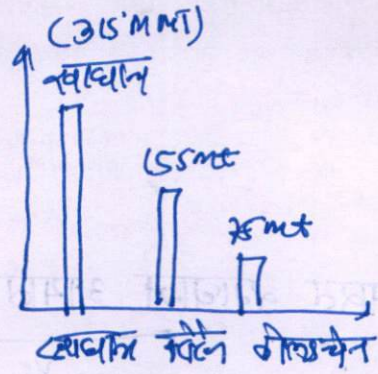
1. खाद्यान्न की बढ़ि

- रेस्टोरेंट, घरों, किसी ग्रंथ पर्यटकों खादि में खाद्यान्न बढ़ि
- बढ़ि में लगभग 10% खाद्यान्न बढ़ि

2. अग्रणी मूल्य प्रबंधन कमजोर

- किसान के क्षेत्र है, अपक्रमता तब पड़चों में रसक
- नगर बढ़ि एवं बढ़ि श्री
- सु टिपों के अनुसार 33% पत (सबकी लोके रसक बढ़ि)
- कोलड चेन, लोके प्रसिधा की मधी

③ व्ययव्ययों को कैसे व्यय करके और और लोगो तक आपूर्ति सुनिश्चित नहीं



↳ PDS में राशन खराब होना
↳ मौसमी, जलवायु प्रभाव भी

[FCI के डाटा के अनुसार]

④ दौलत पोषण की कमी → पोषण तत्वों की पहुँच से ज्यादा उनकी गुणवत्ता पर अति जोड़-बाजब पर निर्भरता अधिक (मोटे अनाज की अल्पता)

⑤ दिन भर की समस्या

↳ कहीं उत्पादों व पोषण तक पहुँच नहीं

⑥ अल्पमानता → ग्रामीण व शहरी

↳ नीच अल्पमानता

↳ असमानता (अधिकतम अल्पमानता)

→ इन मुद्दों को हल करने के लिए बहुआयामी को सुनिश्चित नीतियों को अपनाना

① सहकारों के पोषण → असमानता को हल करने में मदद करेगी

↳ सहकारों के पोषण की गति।

↳ Pm मातृत्व सुरक्षा योजना (उच्चतम अल्पमानता)

② बाल स्वास्थ्य के संबंध में

- ↳ स्कूल पोषण आहार (6 वर्ष तक आगे बढ़ती है)
- ↳ मिल्ड डे मिल्क के माध्यम से (बिना लै पुराव)

③ PDS बास्केट में बदलाव

- ↳ दूध, जल, मेवा, अंडे, चना, गौंठे आलू शामिल की

④ तकनीकी का उपयोग करना

- ↳ फल, फल, लोकोमोशन राइस (वैटामिन A पोषित)
- ↳ फूड प्रोसेसिंग का मॉडल

⑤ खाद्य आपूर्ति सुधारा उद्योग (स्टार्टअप (खद्य आपूर्ति))

- ↳ इंफ्रास्ट्रक्चर सुधारा जैसे
- ↳ संग्रहण इकाई को बनाया जाये
- ↳ कोल्ड चेन उद्योग
- ↳ किसान सेब आदि जैसे फल

इस बहुआयामी रणनीति के माध्यम से खाद्य सुरक्षा

के पोषण सुरक्षा की इही उद्योग की जा

सकेगी और एक सशक्त भविष्य का निर्माण

की शुरुआत

19.

श्रीलंका और मालदीव में आर्थिक संकटों के दौरान भारत द्वारा समय पर की गई कार्रवाई उसकी "नेबरहुड फर्स्ट" की नीति की सक्रियता को दर्शाती है। परीक्षण कीजिए कि भारतीय सहायता ने इन देशों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को कैसे प्रभावित किया है। हिंद महासागर क्षेत्र में सतत आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए आगे क्या कदम उठाए जा सकते हैं? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

India's timely response during the economic crises in Sri Lanka and the Maldives reflects its "Neighbourhood First" policy in action. Examine how Indian aid has impacted bilateral ties with these nations. What steps can further be taken to promote sustainable economic cooperation in the Indian Ocean region? (Answer in 250 words)

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारत सरकार 'नेबरहुड फर्स्ट' पॉलिसी के माध्यम से पड़ोसियों की वृद्धि संबंध बनाने में सुबल है, पड़ोसी देशों में आर्थिक संकट के दौर में जल्द आर्थिक सहायता प्रदान की आया।

श्रीलंका के आर्थिक संकट में

↳ भारत सबसे पहला देश जिसने IMF में श्रीलंका का समर्थन किया।

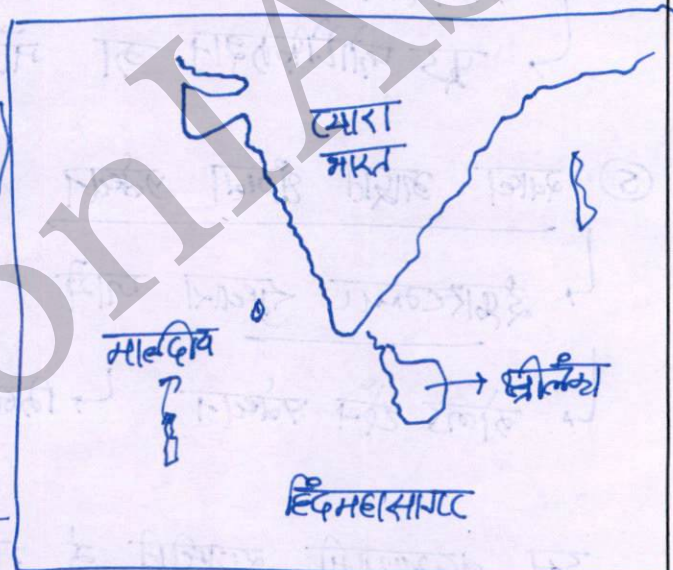
↳ 4 बिलियन डॉलर की वित्तीय सहायता एवं लॉन्ग टर्म क्रेडिट

↳ भारत ने कैंडीन गैजी, स्वाझी श्री लैंड एवं सामान्ति द्वीप के पुनर्निर्माण में भी मदद।

↳ भारत लक्ष्मीत प्रयोग परियोजना! श्रीलंका में UPJ!

अपनी लक्ष्मीत एप पोर्ट में निवेश। लोवाजि व.राजीयुम व.कुमुदी प.एल

→ श्रीलंका ने कहा कि भारत हमारा संबंधी है, अन्य पड़ोसियों से अलग है



भारतीय के संबंध में

- ↳ संबंधों में तनाव के बीच भी → निवेश में 14% भारत।
- ↳ आर्थिक स्थिति का IMF समीक्षण, फंडिंग लागत कोट कर दर पर ब्याज आप्रति।
- ↳ धरदोगाधिक समझौता स्व जब संबंधी विद्युत आप्रति। ↳ व्यापार संबंधी इट
- ↳ रूढ़ इन्फ्लेक्सी में भारतीय ↳ कृषि आयात की आप्रति को धार्यात्मकता क्षी गरी।

द्विपक्षीय संबंधों में बल्लव (परीक्षण)

नगरात्मक → भारतीय मध्य के बाद भी, बन देवों का रुब कई बार भारत ब्येकी।

- ↳ चीन की डेब्ट ट्रेप पॉलिटी कोट डएच का दिव्या
- ↳ ग्रीनबैंक इंफ्लेटिव जोरि पर चीन का केंच बंध भारत को चुदौती
- ↳ भारतीय में कई बल शल्ल बितेकी राजनीति।

परंतु भारत जेनो देशों के साथ विभिन्न माध्यमों से संबंध सुधार का प्रयास →

- ① राजनीतिक दृष में → PM मोदी का दलिया दौर। भारतीय
- ② हिंद महासागर क्षेत्र में → नेट बुरला-प्रोवाइरल भारत
- ③ आर्थिक ज्य व → OPI, निवेश एवं कोर्जी रैप
- ④ भारत में स्कीडप्लॉय रूपी परिपिनताओं में 14% इट
↳ ब्योगु तलिय देश ज्यसा उन्नति उल्लेख्य राजनीति

हिंद महासागर में सतत आर्थिक प्रक्षोभ

- ① सुझा की दृष्टि से - कोवों एक्केव रूप
क्षयता दरवांग
- ② SAGAR पटल - सुझा भी संबन्ध भी
- ③ खनिजों की उपलब्धता
 - ↳ पॉली मेक्सिको नॉइसलम, स्तेरियम जैसे ह्युएरवी मेस
 - ↳ पैरॉक्सिम, क्रोमैटोन संसा की उपलब्ध
- ④ हिंद महासागर चौथ पारंट है, यह
पैरिफेरिक शक्तियों का आधिपत्य क्षेत्र भी
है।
 - ↳ भारत समुद्री जाइको में प्रवेश।
 - ↳ चीन की बढ़ती नीतियों (ब्रिक्स ऑफ-शोर)
 - ↳ पैरिफेरिक व्यापार श्रृंखला का टिप्पण

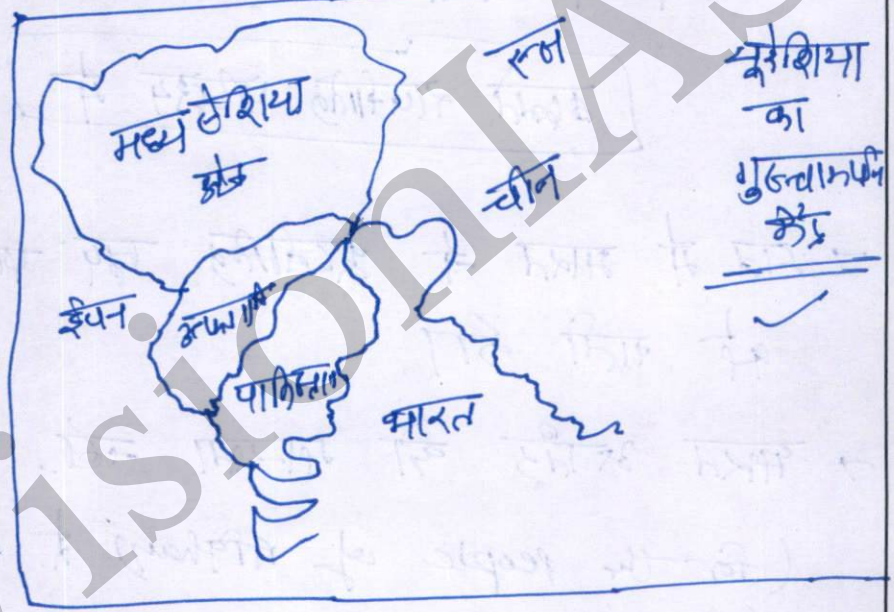
कते में, काल की इन दोनो दैकी में
संबन्ध महत्वपूर्ण ह्युवित दैगी

महाद्वीपीय संपर्क (कनेक्टिविटी) और मध्य एशिया तक पहुंच के संदर्भ में भारत के लिए अफगानिस्तान के भू-रणनीतिक महत्त्व पर चर्चा कीजिए। 2021 के बाद बदले राजनीतिक परिदृश्य ने भारत की कनेक्टिविटी और ऊर्जा गलियारे की महत्वाकांक्षाओं को किस प्रकार प्रभावित किया है? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Discuss the geostrategic significance of Afghanistan for India in the context of continental connectivity and access to Central Asia. How has the altered political landscape post-2021 affected India's connectivity and energy corridor ambitions? (Answer in 250 words) 15

मध्य एशिया बलते परिक्रम में 'द ग्रेट गेम' और शक्तियों के अखांड के कल्प में देखा जा रहा है, परंतु उस तक पहुंच अफगानिस्तान से होकर ही जमी है

→ महाद्वीपीय संपर्क के कल्प में अफगानिस्तान



① भारत की अफगानिस्तान

की सीधी पहुंच होगी [ऊर्जा भंडारों तक पहुंच]

② भारत यात्रा (ईरान) के माध्यम से भी सीधी कनेक्टिविटी (अफगानिस्तान और आगे मध्य एशिया) यह INSTC का फल भी खोजेगी

उम्मीदवारों को इस दृष्टि में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3. अफगानिस्तान से याकिष्ठान खंडेची जैतलम स्थापित कजा.

4. शारंगवाफ पर सिंधु का नदी अफगानिष्ठान से अफिका

5. मध्य एशिया में चीन का वंश खटकेप
लोना, फ्रीमिया, डेव अर्थ मैदा पर सिंधु का नदी से नदी अफत को कृतीतिक रूप पर पोषी

कहते राजनीतिक परिसर में

→ हाल में भारत ने कृतीतिक रूप पर लखनऊ के गती की।

→ भारत अति को मान्यता नहीं, इलाक (for the people of Afghanistan) के नाम पर मध्य।

→ कही खाना कंध, उजायम धरवे जैनी कपोतकी से, भारत ने, मयायिदी बातचीत का एक को अपराध है।

- TAPI पाइपलाइन से गैस आपूर्ति में महत्वपूर्ण है
- अफगानिस्तान से ही मध्य एशियाई खनिज स्रोतों की खोज, निर्यात, परिवहन के पथों का
- भारत की ONGC विदेशी निर्यात कंपनी इतना महत्वपूर्ण
- भारत - अफगानिस्तान संबंध, चीन - पाकिस्तान संबंधों के बीच

- भारत अफगान संबंधों को सुदृढ़ करने के लिए → तालिबान से जारी बातचीत।
 - ↳ शान्तिकारक समिति [RATS प्लान]
 - ↳ SCO के अध्यक्ष के भी संकेत अफगानों के प्रयास होने का संकेत

संबंधित प्रश्न भारत अफगान संबंधों और मध्य एशिया से दृष्टिकोण में सुनिश्चित विलेन।

SPACE FOR ROUGH WORK

Faint handwritten notes in Hindi, likely bleed-through from the reverse side of the page. The text is mostly illegible due to fading and the watermark.

VisionIAS

AL